

पाठ—9 लाख का घर

भीमसेन का शरीर—बल और अर्जुन की युद्ध कुशलता ही दुर्योधन की जलन को बढ़ाने वाला मुख्य कारण बना ।

पुरवासियों द्वारा युधिष्ठिर को राजा बनाने की चर्चा का जोर पकड़ने से दुर्योधन भयभीत हो गया ।

दुर्योधन ने भयभीत कर्णिक नाम के मंत्री की सलाह पर पांडवों को वारणावत के मेले में भेज दिया ।

कर्ण एवं शकुनि की सलाह पर मंत्री पुरोचन ने घी,मोम,लाख आदि की मदद से एक भवन तैयार किया जो कि जल्दी आग पकड़ सके ।

पांडवों को उस गुफा में रहने के लिए सभी इंतज़ामों को किया गया और उनका ख्याल भी रखा गया ।

इस अध्याय में पांडवों के प्रति धृतराष्ट्र एवं दुर्योधन की ईर्ष्या और उसने बदला लेने की भावना स्पष्ट दिखाई दे रही है ।